दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट पुरस्कृत

डॉ. अजय शर्मा ने समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर दिया जोर

जीजीडीएसडी कॉलेज सेक्टर-32 में दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 समापन कार्यक्रम दौरान प्रस्तुति देते छात्र। (छाया : गुरिंदर सिंह)

चंडीगढ़, 6 अप्रैल (राम सिंह बराड़): इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रूपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान हैं। कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है। डॉ. अजय शर्मा ने भी सभा को संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन संवाद, विचार-विमर्श और कूटनीति का एक आदर्श मंच बन गया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे। डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रूपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज के प्रिंसिपल और मुख्य अतिथि द्वारा दोनों को सम्मानित भी किया गया। पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को पचास हजार की नकद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रो. बराड़ और प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा डॉ. सोनी और डॉ. औलख की उपस्थिति में प्रदान किए गए। समारोह के माहौल को और भी बेहतर बनाने के लिए छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शामिल थीं। इनमें विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत की गई भावपूर्ण फ्यूजन कव्वाली और एक शक्तिशाली और ऊर्जावान लोक नृत्य भांगड़ा शामिल थे। डॉ. सोनी ने मुख्य अतिथि, कॉलेज प्रशासन, छात्र आयोजकों, फैकल्टी मेंटर्स, प्रतिभागियों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

उन्होंने इस आयोजन के लिए महीनों तक की गई कड़ी मेहनत और समन्वय की सराहना की तथा सूचित संवाद, वैश्विक जागरूकता और छात्र नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एसडीएमयूएन क्लब की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। एसडीएमयूएन 2025 उपलब्धि और सौहार्द की भावना के साथ संपन्न हुआ, जो न केवल एक सम्मेलन का अंत था, बल्कि कई युवा प्रतिनिधियों के लिए एक यात्रा की शुरुआत भी थी।

अजीत समाचार
उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार
07-Apr-2025
Page: 5
http://www.ajitsamachar.com/20250407/20/5/1_1.cms

अमर उजाला 7/5/25

एसडीएमयूएन-2025 में शामिल पांच समितियों के सम्मानित बेस्ट डेलीगेट्स। संवाद

एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम राजनेताओं चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान

एसडी कॉलेज में एसडीएमयूएन-2025 संपन्न, 5 प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलिगेट्स सम्मानित

चंडीगढ़। इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन)-2025 का 12वां संस्करण सेक्टर-32 के एसड़ी कॉलेज में संपन्न हुआ। इसकी शुरुआत मुख्यअतिथि पीयू के पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई।

पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलिगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को 50 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की गई इस समारोह को बेहतर बनाने के लिए छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। इनमें विभिन्न वाद्य यंत्रों द्वारा प्रस्तुति दी गई। इसमें फ्यूजन कव्वाली और एक शक्तिशाली और ऊर्जावान लोक नृत्य भंगड़ा शामिल थे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान हैं। इस कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है।

डॉ. अजय शर्मा ने संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन संवाद, विचार-विमर्श और कूटनीति का एक आदर्श मंच बन गया है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे। संवाद

जीजीडीएसडी कॉलेज में जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

चंडीगढ़ अनमोल खबरें (हरजिंदर सोनू)। एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएन का विषय 'सद्र-ए-सियासत' था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस इंफॉरमेशन सेंटर, नई दिल्ली के डॉयरेक्टर डैरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की। फरांट ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। वहीं, श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया - ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों में देखती हैं। सच्चा नेतृत्व संवाद से शुरू होता है और वह सभी की इन भूमिकाओं को इतनी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अपनाने की सराहना करती हैं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रुति अरोड़ा के स्वागत से हुई। डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रुपिंदर औलाख द्वारा उन्हें पौधा भेंट किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन समारोह और मुख्य अतिथि का अभिनंदन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और जातिगत राजनीति एक नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया.

अर्थ प्रकाश 6/4/25

जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी एमयूएन के 12 वें संस्करण का आयोजन

जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडी एमयूएन) के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएन का विषय 'सद्र-ए-सियासत' था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस

इंफॉरमेशन सेंटर, नई दिल्ली के डॉयरेक्टर डॅरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की।

फरांट ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। वहीं, श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया - ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों मे देखती हैं। सच्चा नेतृत्व संवाद से शुरू होता है और वह सभी की इन भूमिकाओं को इतनी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अपनाने की सराहना करती हैं।

कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रुति अरोड़ा के स्वागत से हुई। डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक एसडी एमयूएन क्लब) और डॉ. रुपिंदर औलाख (समन्वयक डिजिटल सेफ्टी क्लब) द्वारा उन्हें पौधा भेंट किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन समारोह और मुख्य अतिथि का अभिनंदन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और जातिगत राजनीति पर एक नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन की शुरुआत गैवल समारोह के माध्यम से की गई।

इस दो दिवसीय कांफ्रेंस में, एसडी एमयूएन 2025 ने जिन समितियों की मेजबानी की उनमें लोकसभा, संयुक्त राष्ट्र महासभा, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (डीआईएसईसी), महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीएसडब्ल्यू), और अंतर्राष्ट्रीय प्रेस शामिल थीं। प्रत्येक समिति ने वैश्विक और राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार किया तथा गहन बहस, कूटनीति और समाधान निर्माण को आमंत्रित किया। उत्कृष्टता को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए, विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 50,000 रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार दिए गए, जिससे एसडी एमयूएन 2025 बौद्धिक रूप से प्रेरक और पुरस्कृत दोनों बन गया।

अर्थ प्रकाश 7/5/25

दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट पुरस्कृत

डॉ. अजय शर्मा ने समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर दिया जोर

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12 वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रूपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान हैं। कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है। डॉ. अजय शर्मा ने भी सभा को संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन संवाद, विचार-विमर्श और कूटनीति का एक आदर्श मंच बन गया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे।

डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रूपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज के प्रिंसिपल और मुख्य अतिथि द्वारा दोनों को सम्मानित भी किया गया। पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को पचास हजार की नकद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रो. बराड़ और प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा डॉ. सोनी और डॉ. औलख की उपस्थिति में प्रदान किए गए। समारोह के माहौल को और भी बेहतर बनाने के लिए छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं। इनमें विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत की गई भावपूर्ण फ्यूजन कव्वाली और एक शक्तिशाली और ऊर्जावान लोक नृत्य भांगड़ा शामिल थे। डॉ. सोनी ने मुख्य अतिथि, कॉलेज प्रशासन, छात्र आयोजकों, फैकल्टी मेंटर्स, प्रतिभागियों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट पुरस्कृत

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12 वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रुपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान है। कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है। डॉ. अजय शर्मा ने भी सभा को संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन संवाद, विचार-विमर्श और कूटनीति का एक आदर्श मंच बन गया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे।

डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रुपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज के प्रिंसिपल और मुख्य अतिथि द्वारा दोनों को सम्मानित भी किया गया। पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को पचास हजार की नकद राशि प्रदान की गई।

Chandigarh Tribune 13-4-25

SD COLLEGE

The 12th edition of the International SD Model United Nations (SDMUN) 2025 concluded with a vibrant and memorable closing ceremony at GGDSD College, Sector 32. Over two days, the event showcased a display of intellectual engagement, diplomacy, and creativity as students participated in thought-provoking discussions, crafted resolutions, and reported through journalistic coverage. The conference came to an inspiring close with the felicitation of delegates, journalists, and photographers.

दैनिक जागरण 7/4/25

एसडीएमयूएन में बेस्ट डेलीगेट्स को 50 हजार की नकद राशि से नवाजा

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिखाई प्रतिभा

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ : सेक्टर-32 एसडी कालेज में आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल एसडी माडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12वां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। समापन समारोह में पंजाब यूनिवर्सिटी के एमेरिटस प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ मुख्य अतिथि रहे। प्रिंसिपल डा. अजय शर्मा, डा. मोनिका सोनी और डा. रूपिंदर औलख ने मुख्य अतिथि को पौधा भेंट कर स्वागत किया। प्रो. बराड़ ने कहा कि ऐसे मंच भविष्य के नेताओं और नीति-निर्माताओं को तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। डा. अजय शर्मा ने भी समग्र छात्र विकास में एसडीएमयूएन जैसे आयोजनों के योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट्स और हाई कमेंडेशन प्राप्त प्रतिभागियों को कुल 50 हजार रुपये की नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कव्वाली और भंगड़ा जैसे कार्यक्रमों ने खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में भंगड़ा की प्रस्तुति देते स्टूडेंट्स • कालेज

एसडीएमयूएन में भाग लेने वाले डेलीगेट्स • कालेज

दैनिक सवेरा 6/4/25

जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनैशनल एसडी एमयूएन के 12 वें संस्करण का आयोजन

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 5 अप्रैल : एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडी एमयूएन) के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएन का विषय सद्र-ए-सियासत था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस इंफॉरमेशन सेंटर, नई दिल्ली के डॉयरेक्टर डैरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की। फरांट ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। वहीं, श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया - ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों में देखती हैं। सच्चा नेतृत्व संवाद से शुरू होता है और वह सभी की इन भूमिकाओं को इतनी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अपनाने की सराहना करती हैं। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्रुति अरोड़ा के स्वागत से हुई। डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक एसडी एमयूएन क्लब) और डॉ. रुपिंदर औलाख (समन्वयक डिजिटल सेफ्टी क्लब) द्वारा उन्हें पौधा भेंट किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन समारोह और मुख्य अतिथि का अभिनंदन हुआ।

एमयून में हिस्सा लेने वाले अतिथि, डांस की प्रस्तुति देते हुए छात्रा।

इस दो दिवसीय कांफ्रेंस में, एसडी एमयूएन 2025 ने जिन समितियों की मेजबानी की उनमें लोकसभा, संयुक्त राष्ट्र महासभा, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (डीआईएसईसी), महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीएसडब्ल्यू), और अंतर्राष्ट्रीय प्रेस शामिल थीं। प्रत्येक समिति ने वैश्विक और राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार किया तथा गहन बहस, कूटनीति और समाधान निर्माण को आमंत्रित किया। उत्कृष्टता को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए, विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 50,000 रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार दिए गए, जिससे एसडी एमयूएन 2025 बौद्धिक रूप से प्रेरक और पुरस्कृत दोनों बन गया।

दैनिक सवेरा 7/4/25

भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए एसडीएमयूएन बेहतर विकल्प : प्रो. भूपिंदर

दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, 5 के बेस्ट डैलीगेट पुरस्कृत

सवेरा न्यूज/ राकेश

चंडीगढ़, 6 अप्रैलः इंटरनैशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रूपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान हैं। कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है। डॉ. अजय शर्मा ने भी सभा को संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास

जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा प्रो. भूपिंद्र को पौधा देकर स्वागत करते हुए।

को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे। डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रूपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज के प्रिंसिपल और मुख्य अतिथि द्वारा दोनों को सम्मानित भी किया गया। पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को पचास हजार की नकद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रो. बराड़ और प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा डॉ. सोनी और डॉ. औलख की उपस्थिति में प्रदान किए गए। समारोह के माहौल को और भी बेहतर बनाने के लिए छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं। इनमें विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत की गई भावपूर्ण फ्यूजन कव्वाली और एक शक्तिशाली और ऊर्जावान लोक नृत्य भांगड़ा शामिल थे। डॉ. सोनी ने मुख्य अतिथि, कॉलेज प्रशासन, छात्र आयोजकों, फैकल्टी मेंटर्स, प्रतिभागियों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए महीनों तक की गई कड़ी मेहनत और समन्वय की सराहना की तथा सूचित संवाद, वैश्विक जागरूकता और छात्र नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एसडीएमयूएन क्लब की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की।

दैनिक ट्रिब्यून 6/4/25

इंटरनेशनल एसडी एमयूएन का आयोजन

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 5 अप्रैल (हप्र)

एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडी एमयूएन) के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजनकिया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएंन का विषय 'सद्र-ए-सियासत' था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस इंफॉरमेशन सेंटर, नयी दिल्ली के डॉयरेक्टर डैरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की।

फरांट ने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया।

कांफ्रेंस में एसडी एमयूएन-2025 ने जिन समितियों की मेजबानी की उनमें लोकसभा, संयुक्त राष्ट्र महासभा, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (डीआईएसईसी), महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीएसडब्ल्यू) और अंतर्राष्ट्रीय प्रेस शामिल थीं। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 50 हजार रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार दिए गए।

दैनिक ट्रिब्यून 7-4-25

दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, 5 प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट पुरस्कृत

मनीमाजरा (चंडीगढ़), 6 अप्रैल (हप्र)

इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12 वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रूपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की। डॉ. अजय शर्मा ने भी छात्र विकास में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रूपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिव्य हिमाचल 6/4/25

एसडी कालेज में 'एमयूएन-25' का आगाज

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़ 6

चंडीगढ़। एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस एसडी एमयूएन के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कान्फ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएन का विषय सद्र-ए-सियासत था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस इंफॉरमेशन सेंटर नई दिल्ली के डॉयरेक्टर डैरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की। फरांट ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। वहीं, श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया। ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों में देखती हैं। सच्चा नेतृत्व संवाद से शुरू होता है और वह सभी की इन भूमिकाओं को इतनी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अपनाने की सराहना करती हैं।

पंजाब केसरी 7/4/25

एम.यू.एन. में 200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

चंडीगढ़, 6 अप्रैल (आशीष): एस.डी. एम.यू.एन. क्लब की ओर से डिजिटल सैफ्टी क्लब के सहयोग से जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में इंटरनैशनल एस.डी. मॉडल यूनाइटेड नैशंस के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस रविवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एम.यू.एन. का विषय सद्र-ए-सियासत था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आई.पी.एस. अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नैशंस इंफॉरमेशन सैंटर, नई दिल्ली के डायरैक्टर डैरिन फ़रांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आई.पी.एस. की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया, ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों में देखती हैं।

आज समाज 6/5/25

जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी एमयूएन के 12 वें संस्करण का आयोजन

■ जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

चंडीगढ़। एसडी एमयूएन क्लब की ओर से डिजिटल सेफ्टी क्लब के सहयोग से जीजीडीएसडी कॉलेज में इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडी एमयूएन) के अपने बहुप्रतीक्षित 12वें संस्करण का आयोजन किया गया। यह दो दिवसीय कांफ्रेंस शनिवार को संपन्न हुई। इस वर्ष के एमयूएन का विषय ह्रासद्र-ए-सियासतह्न था, जिसमें जिम्बाब्वे और नेपाल के प्रतिनिधियों सहित लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

पहले दिन हुए उद्घाटन समारोह में आईपीएस अधिकारी व मनीमाजरा की थाना प्रभारी श्रुति अरोड़ा और यूनाइटेड नेशंस इंफॉरमेशन सेंटर, नई दिल्ली के डॉयरेक्टर डैरिन फरांट संयुक्त तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में दोनों ने वैश्विक नागरिकता और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस मंच की सराहना की।

फरांट ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि युवा आवाजों और डिजिटल विमर्श से तेजी से आकार ले रही दुनिया में एसडी एमयूएन जैसे आयोजन छात्रों को विचारशील नेता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने के लिए सशक्त बनाते हैं। वहीं, श्रुति अरोड़ा ने कहा कि आईपीएस की यात्रा ने उनमें धैर्य, अनुशासन और उद्देश्य के प्रति गहरा सम्मान पैदा किया - ऐसे गुण जो वह आज के युवा प्रतिनिधियों में देखती हैं। सच्चा नेतृत्व संवाद से शुरू होता है और वह सभी की इन भूमिकाओं को इतनी स्पष्टता और दृढ़ विश्वास के साथ अपनाने की सराहना करती हैं। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि श्रुति अरोड़ा के स्वागत से हुई। डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक एसडी एमयूएन क्लब) और डॉ. रुपिंदर औलाख (समन्वयक डिजिटल सेफ्टी क्लब) द्वारा उन्हें पौधा भेंट किया गया। इसके बाद दीप प्रज्वलन समारोह और मुख्य अतिथि का अभिनंदन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत उत्साहपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने गणेश वंदना और जातिगत राजनीति पर एक नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन की शुरूआत गैवल समारोह के माध्यम से की गई।

इस दो दिवसीय कांफ्रेंस में, एसडी एमयूएन 2025 ने जिन समितियों की मेजबानी की उनमें लोकसभा, संयुक्त राष्ट्र महासभा, निरस्त्रीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (डीआईएसईसी), महिलाओं की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र आयोग (यूएनसीएसडब्ल्यू), और अंतर्राष्ट्रीय प्रेस शामिल थीं। प्रत्येक समिति ने वैश्विक और राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार किया तथा गहन बहस, कूटनीति और समाधान निर्माण को आमंत्रित किया। उत्कृष्टता को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए, विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को 50,000 रुपये से अधिक के नकद पुरस्कार दिए गए, जिससे एसडी एमयूएन 2025 बौद्धिक रूप से प्रेरक और पुरस्कृत दोनों बन गया।

दो दिवसीय एसडीएमयूएन 2025 संपन्न, पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट पुरस्कृत

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। इंटरनेशनल एसडी मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एसडीएमयूएन) 2025 का 12 वां संस्करण जीजीडीएसडी कॉलेज, सेक्टर-32 में यादगार समापन समारोह के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि पंजाब यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर व पूर्व डीयूआई प्रोफेसर भूपिंदर सिंह बराड़ के स्वागत से हुई। जीजीडीएसडी कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा, डॉ. मोनिका सोनी (समन्वयक, एसडीएमयूएन क्लब) और डॉ. रूपिंदर औलख (समन्वयक, डिजिटल सेफ्टी क्लब) ने पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने संबोधन में प्रो. बराड़ ने प्रतिभागियों और आयोजकों दोनों के उत्साह और प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन जैसे कार्यक्रम भविष्य के राजनेताओं और चेंज मेकर्स के लिए प्रशिक्षण का मैदान हैं। कार्यक्रम में उन्होंने जो ऊर्जा, प्रतिबद्धता और गहन चर्चा देखी है, वह न केवल सराहनीय है, बल्कि वैश्विक शासन और नागरिक समाज के भविष्य के लिए भी अत्यंत आश्वस्त करने वाली है। डॉ. अजय शर्मा ने भी सभा को संबोधित करते हुए समग्र छात्र विकास को बढ़ावा देने में एसडीएमयूएन जैसे मंचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एसडीएमयूएन संवाद, विचार-विमर्श और कूटनीति का एक आदर्श मंच बन गया है। डॉ. शर्मा ने कहा कि यह देखकर बहुत खुशी होती है कि हमारे छात्र इतनी शालीनता, बुद्धिमत्ता और आत्मविश्वास के साथ चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये अनुभव उनकी नागरिक चेतना और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में काफी मददगार साबित होंगे।

डॉ. शर्मा और प्रो. बराड़ ने वूमेन लीडर्स डॉ. मोनिका सोनी और डॉ. रूपिंदर औलख के प्रयासों की सराहना की और कहा कि उनके सहयोग ने एसडीएमयूएन 2025 के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉलेज के प्रिंसिपल और मुख्य अतिथि द्वारा दोनों को सम्मानित भी किया गया। पांच प्रमुख समितियों के बेस्ट डेलीगेट और हाई कमेंडेशन पुरस्कार विजेताओं को पचास हजार की नकद राशि प्रदान की गई। पुरस्कार मुख्य अतिथि प्रो. बराड़ और प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा द्वारा डॉ. सोनी और डॉ. औलख की उपस्थिति में प्रदान किए गए।

समारोह के माहौल को और भी बेहतर बनाने के लिए छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं। इनमें विभिन्न वाद्य यंत्रों के साथ प्रस्तुत की गई भावपूर्ण फ्यूजन कव्वाली और एक शक्तिशाली और ऊर्जावान लोक नृत्य भांगड़ा शामिल थे। डॉ. सोनी ने मुख्य अतिथि, कॉलेज प्रशासन, छात्र आयोजकों, फैकल्टी मेंटर्स, प्रतिभागियों और प्रायोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने इस आयोजन के लिए महीनों तक की गई कड़ी मेहनत और समन्वय की सराहना की तथा सूचित संवाद, वैश्विक जागरूकता और छात्र नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए एसडीएमयूएन क्लब की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। एसडीएमयूएन 2025 उपलब्धि और सौहार्द की भावना के साथ संपन्न हुआ, जो न केवल एक सम्मेलन का अंत था, बल्कि कई युवा प्रतिनिधियों के लिए एक यात्रा की शुरूआत भी थी।